

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
---------------------------	----------------------	-------------

17-01-22 पत्रावली पेश हुई वकील वादी द्वारा फौजदारी पर प्रार्थी की और से श्री हनुमान जाखड़ एडवोकेट द्वारा वकालतनामा पेश विनागुहा जो शामिल कारिल है। अ प्रार्थी गणों की पुनः रजि. तलवी टांकर पत्रावली दिनांक 5-4-22 को पेश हो।

5-4-22 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी / प्रार्थी उप है। वकील पक्षकारान उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 16-6-22 को पेश श्रीमान जिला कलक्टर महो. जयपुर के आदेशानुसार मूल पत्रावली नव सृजित न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जोबनेर को प्रेषित की / जाती है।

16-6-22 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी / प्रार्थी उप है। वकील पक्षकारान उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 22-8-22 को पेश

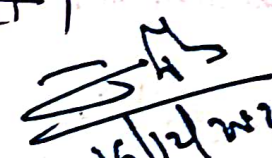
22/08/22 पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 21.11.2022 को पेश हो। पी.ओ. सा. के में पधारें हैं।

21/10/22 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी / प्रार्थी उप है। वकील पक्षकारान उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 9/12/22 को पेश श्रीमान जिला कलक्टर महो. जयपुर के आदेशानुसार मूल पत्रावली नव सृजित न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जोबनेर को प्रेषित की / जाती है।

9/11/22 पत्रावली पेश हुई। वादी / प्रार्थी / अधिवक्ता अधि उपस्थित। वैकील सरकार द्वारा पत्रावली प्रस्तुत किया गया। नकल प्रार्थी को दिलवाई गई। पत्रावली वादी वकालत दिनांक 16/11/22 को पेश हो।

16/11/22 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी / अधिवक्ता अधि उपस्थित। सरकार वैकील उप। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा अज्ञात खीरा के आ. नं. 121/2, 123/2 की पत्रावली

Handwritten signature and date: 09/12/2022

क्र०स०	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>कराये जाने के आदेश जारी करने का निर्देश किया। पेंरीकाट सरकार द्वारा बट्ट में उक्त खसरा नम्बर की आदि के चारों दिशाओं के खालेदारों के वादी पक्षों द्वारा पक्षकार नहीं बनाये जाते पर आधारित व्यस्त करते हुए धार्थना पत्र को खारिज करने का निर्देश किया।</p> <p>पञ्जवली का अध्ययन-मनन किया, पक्षकारों की बट्ट पर मनन किया गया। पेंरीकाट सरकार द्वारा उस्तुत जवाब को स्वीकार किया गया। राजस्थान न्यू-राज्य अधिनियम 1956 की धारा 128 में उस्तुत धार्थना-पत्र में आवेदित नूरी की पत्थरगद्दी कराये जाने हेतु संवत्त दिशाओं के खालेदार आवश्यक पक्षकार होने से पक्षकार बनाया जाना आवश्यक है।</p> <p>अतः धार्थी द्वारा उस्तुत धार्थना पत्र में आवश्यक पक्षकारों के पक्षकार नहीं बनाये जाने के कारण धार्थना पत्र चलने योग्य नहीं होने से एतद् द्वारा खारिज किया जाता है।</p> <p>निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। पञ्जवली फंसल शुगर टैंकर नम्बर से कम ही खालेदारों का खिल पफतर है।</p> <p style="text-align: right;">  16/11/2022 उपखाण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर </p>